समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 04 September 2026

जनसेवा का जुनून, संघर्ष की ताकत ; आनंद गंगाधर तुपदळे ने जरूरतमंदों के हक और सम्मान के लिए उठाई आवाज

Sanket Morankar
Published on 03 Sep 2026

समाजसेवा केवल जरूरतमंदों को सहायता देने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाना और सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाना भी जनसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी विचार को अपने सामाजिक कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता हैं **श्री आनंद गंगाधर तुपदळे**। माहूर शहर और तालुका क्षेत्र में उन्होंने लंबे समय से जरूरतमंद नागरिकों, महिलाओं, वृद्धों, निराधार लोगों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया है।

उनकी सामाजिक यात्रा में कोरोना महामारी के दौरान सहायता से लेकर घरकुल लाभार्थियों की लंबित राशि के लिए आंदोलन, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग और राष्ट्रसेवा से जुड़े विभिन्न उपक्रम शामिल रहे हैं।

कोरोना काल में हजारों परिवारों की मदद

कोरोना महामारी का दौर समाज के लिए बेहद कठिन समय था। लॉकडाउन और आर्थिक संकट के कारण हजारों परिवारों के सामने रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई थी।

ऐसे कठिन समय में **आनंद गंगाधर तुपदळे ने हजारों परिवारों को आवश्यक किराना सामग्री उपलब्ध कराने मे संहयोग किया।** उनका उद्देश्य था कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कम से कम आवश्यक खाद्य सामग्री के लिए परेशान न होना पड़े।

कोरोना काल में ही उन्होंने **लगभग 1,000 महिलाओं को साड़ी-चोली का वितरण** भी किया।

स्वच्छता कर्मचारियों और पत्रकारों को रेनकोट वितरण

समाज के लिए कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने वाले लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने **माहूर नगरपंचायत के स्वच्छता कर्मचारियों और पत्रकारों को रेनकोट वितरित किए।**

बारिश के मौसम में लगातार बाहर रहकर काम करने वाले स्वच्छता कर्मचारियों और पत्रकारों के लिए यह पहल उपयोगी साबित हुई। यह कार्य समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

घरकुल लाभार्थियों के हक के लिए लगातार संघर्ष

आनंद गंगाधर तुपदळे के सामाजिक कार्यों में **प्रधानमंत्री आवास योजना के घरकुल लाभार्थियों के लिए किया गया संघर्ष** विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है।

वर्ष **2021 से** माहूर शहर और तालुका क्षेत्र के घरकुल लाभार्थियों की लंबित राशि के लिए उन्होंने लगातार आवाज उठाई। लाभार्थियों को उनका बकाया पैसा मिल सके, इसके लिए उन्होंने **आमरण अनशन, आंदोलन और मोर्चों** के माध्यम से संबंधित प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया।

उनका प्रयास केवल शिकायत दर्ज कराने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लाभार्थियों के हक की राशि प्राप्त होने तक लगातार संघर्ष करने की दिशा में रहा।

जरूरतमंदों को शिधापत्रिका दिलाने में सहयोग

गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए राशन की सुविधा बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे परिवारों को सरकारी खाद्यान्न व्यवस्था का लाभ मिल सके, इसके लिए आनंद गंगाधर तुपदळे ने **शिधापत्रिका प्राप्त करने मे जंरूरतमंद नागरिकों की सहायता** की।

उनका प्रयास रहा कि पात्र नागरिक सरकारी व्यवस्था से मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहें।

विधवा और निराधार महिलाओं के लिए सहायता

समाज में आर्थिक रूप से कमजोर विधवा और निराधार महिलाओं को सरकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता मिल सके, इसके लिए भी उन्होंने प्रयास किए।

उन्होंने जरूरतमंद महिलाओं को **संजय गांधी निराधार योजना** के माध्यम से आर्थिक लाभ प्राप्त करने में सहयोग किया। इसी तरह वृद्ध और निराधार नागरिकों को **श्रावणबाळ योजना** के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता का लाभ दिलाने के लिए भी उन्होंने कार्य किया।

कारगिल युद्ध के समय राष्ट्रसेवा की अनोखी पहल

उनके सामाजिक और राष्ट्रसेवा से जुड़े कार्यों में **कारगिल युद्ध के समय किया गया राष्ट्ररक्षा यज्ञ** भी महत्वपूर्ण रहा।

कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों की सुरक्षा और देश की विजय की कामना के उद्देश्य से **माहूर तालुका के 65 गांवों मे ं राष्ट्ररक्षा यज्ञ का आयोजन** किया गया। इस उपक्रम के माध्यम से एकत्रित हुई निधि को **दिल्ली स्थित राष्ट्रकोष मे जंमा** किया गया।

यह पहल सामाजिक कार्यों के साथ-साथ देश और भारतीय सैनिकों के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को दर्शाती है।

समाज के विभिन्न वर्गों के लिए निरंतर कार्य

आनंद गंगाधर तुपदळे का सामाजिक कार्य किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रहा। जरूरतमंद परिवार, महिलाएं, वृद्ध, निराधार नागरिक, घरकुल लाभार्थी और सरकारी योजनाओं के पात्र नागरिक—विभिन्न वर्गों की समस्याओं को उन्होंने अपने स्तर पर उठाने का प्रयास किया है।

समय-समय पर किए गए उनके विभिन्न सामाजिक कार्यों का मूल उद्देश्य यही रहा कि **जरूरतमंद व्यक्ति को उसका अधिकार, सहायता और सम्मान मिल सके।**

सेवा के साथ संघर्ष को भी बनाया माध्यम

उनके सामाजिक कार्यों की खास बात यह है कि वे केवल प्रत्यक्ष सहायता देने तक सीमित नहीं रहे। जहां किसी जरूरतमंद को सरकारी योजना का लाभ दिलाने की आवश्यकता थी, वहां उन्होंने सहयोग किया और जहां लोगों के अधिकारों के लिए प्रशासन के सामने आवाज उठाने की जरूरत पड़ी, वहां **आंदोलन और मोर्चों के माध्यम से संघर्ष** किया।

यही कारण है कि उनकी समाजसेवा में सहायता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और अधिकारों की लड़ाई का भी महत्वपूर्ण स्थान दिखाई देता है।

जनसेवा का जुनून, संघर्ष की ताकत और जरूरतमंदों के हक के लिए लगातार आवाज—श्री आनंद गंगाधर तुपदळे की सामाजिक यात्रा समाज के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की प्रेरणादायी मिसाल है।

कोरोना काल में **हजारों परिवारों की सहायता**, **1,000 महिलाओं को साड़ी-चोली वितरण**, स्वच्छता कर्मचारियों और पत्रकारों को रेनकोट वितरण, **2021 से घरकुल लाभार्थियों के लिए आंदोलन और मोर्चे**, जरूरतमंदों को शिधापत्रिका दिलाने में सहयोग, विधवा एवं निराधार महिलाओं को संजय गांधी योजना तथा वृद्ध निराधार नागरिकों को श्रावणबाळ योजना का लाभ दिलाने के प्रयास—इन सभी कार्यों ने उनकी सामाजिक सक्रियता को एक अलग पहचान दी है।

वहीं कारगिल युद्ध के समय **माहूर तालुका के 65 गांवों मे रांष्ट्ररक्षा यज्ञ** का आयोजन कर निधि को राष्ट्रकोष में जमा करना उनके राष्ट्रप्रेम और सामाजिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

उनकी कहानी यह संदेश देती है कि **सच्ची समाजसेवा वही है, जिसमे जंरूरतमंद की मदद के साथ उसके अधिकार और सम्मान के लिए भी मजबूती से खड़ा हुआ जाए।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.